विराट के नाम हैं ये रेकॉर्ड

गौरतलब है कि वनडे में सबसे कम पारियों में 8,000, 9,000, 10,000 और 11,000 रन बनाने का रेकॉर्ड भी कोहली नाम पर है। उन्होंने 10,000 और 11,000 रन के मामले में तेंडुलकर का रेकॉर्ड तोड़ा था।

वापसी पर कोहली के निशाने पर होंगे सचिन तेंडुलकर के कई रेकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस के चलते लगाए गए लॉकडाउन के बाद जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होगी तब रेकॉर्डों के बादशाह सचिन तेंडुलकर के कुछ रेकॉर्ड भारतीय कप्तान विराट कोहली के नाम पर दर्ज हो सकते हैं। तेंडुलकर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक 100 शतक लगाने का विश्व रेकॉर्ड है जिससे कोहली (70) शतक अभी काफी पीछे हैं, लेकिन मास्टर ब्लास्टर के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49 शतकों से वह ज्यादा दूर नहीं है।

अहम रेकॉर्ड निशाने पर: अगर क्रिकेट मैच सुचारू रूप से चलते हैं तो अगले साल इस रेकॉर्ड को अपने नाम पर कर सकते हैं। कोहली ने अभी वनडे में 43 शतक लगाए हैं और तेंडुलकर की बराबरी के लिए उन्हें केवल छह शतकों की जरूरत है। उन्हें भारतीय सरजमीं पर सर्वाधिक वनडे शतक के तेंडुलकर के रेकॉर्ड की बराबरी करने के लिए हालांकि केवल एक शतक की दरकार है। तेंडुलकर ने घरेलू धरती पर 20 जबकि कोहली ने 19 सैकड़े ठोके हैं। खेलों की वापसी पर तेंडुलकर के जिस वनडे रेकॉर्ड को कोहली सबसे पहले तोड़ सकते हैं वह है सबसे कम पारियों में 12,000 रन पूरा करने का। तेंडुलकर ने 300 पारियों में जबकि ऑस्ट्रेलिया के रिकी पॉन्टिंग ने 314 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

2022 तक टल सकता है टी20 वर्ल्ड कप, ऐलान संभव

क्रिकेट

अक्टूबर में आईपीएल आयोजित करने पर होगा विचार

आईसीसी की मीटिंग में ऐलान संभव

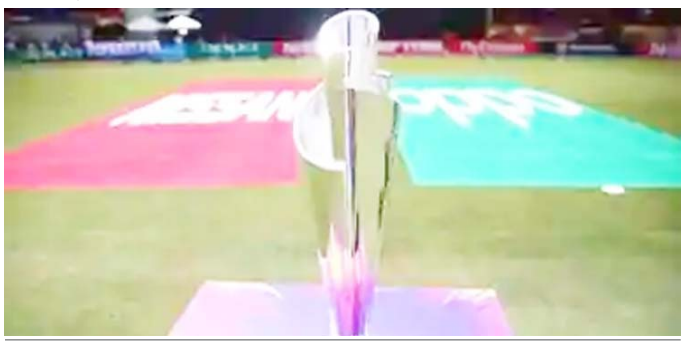

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में अक्टूबर–नवंबर में निर्धारित टी20 वर्ल्ड कप–2020 का टलना लगभग तय हो गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो यह टूर्नमेंट किलर महामारी की वजह से 2022 तक टल सकता है। आईसीसी के सूत्रों का कहना है कि मौजूदा हालात और मुश्किलों को देखते हुए बोर्ड सदस्यों की 28 मई को होने वाली बैठक में इसका औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो आईपीएल–2020 का रास्ता साफ हो जाएगा।

दरअसल, यह टूर्नमेंट अगले वर्ष इसलिए नहीं हो सकता है, क्योंकि भारत में पहले से ही एक टी–20 विश्व कप शेड्यूल है। ऐसे में एक वर्ष में एक ही फॉर्मेट के दो वर्ल्ड कप का आयोजन अनुचित होगा। एक वर्ष में दो टी20 वर्ल्ड कप का समर्थ ब्रॉडकास्टर और क्रिकेट बोर्ड कभी नहीं करेंगे। ऑफिशल ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स सूत्रों के अनुसार, अगर भारत में अक्टूबर–नवंबर में आईपीएल (जिसकी संभावना है) होता है और अगले वर्ष अप्रैल में होता है तो 2021 में 2 विश्व कप प्रसारित करना आसान नहीं होगा।

सौरभ गांगुली का भी समर्थन?: मान जा रहा है कि टी–20 वर्ल्ड कप के 2022 तक टलने को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) अध्यक्ष आईसीसी का समर्थन करेंगे। बता दें कि भारत को 2023 में 50 ओवरों के वर्ल्ड कप की मेजबानी भी करना है। देखा जाए तो 3 वर्ष में 3 वर्ल्ड कप होंगे, जबकि आईपीएल का आयोजन भी होता रहेगा। हालांकि, फिलहाल यह लीग अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

मीटिंग में इसपर भी चर्चा: आईसीसी बोर्ड भारत में होने वाले टी20 विश्व कप 2021 में करों के छूट के मसले पर भी चर्चा कर सकता है। बीसीसीआई ने लॉकडाउन के कारण इस पर सरकार का स्पष्ट रवैया जानने के लिये और समय देने के लिए कहा है। आईसीसी के नए चेयरमैन के लिए नामांकन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन कोलिन ग्रेव्स को इस पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है लेकिन बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली भी इसकी दौड़ में शामिल हो सकते हैं।

होगा यह फायदा: कोविड–19 महामारी के कारण बनी परिस्थितियों में अगर इसे औपचारिक रूप दे दिया जाता है तो इस फैसले से सदस्यों को आगामी महीनों के लिए अपनी द्विपक्षीय सीरीज का खाका तैयार करने में मदद मिलेगी। यह केवल सदस्य देशों से ही नहीं बल्कि प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स से जुड़ा मुद्दा भी है जिसके पास संयोग से आईसीसी प्रतियोगिताओं के साथ साथ बीसीसीआई और आईपीएल के भी प्रसारण अधिकार हैं।

हर फॉर्मेट का अलग कोच चाहते हैं डेरेन लेहमन, दिया बड़ा बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■परिवार से अधिक समय तक दूर रहने से कोच पर काफी दबाव

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच डेरेन लेहमन का मानना है कि अलग–अलग प्रारूपों में अलग कोच भारतीय क्रिकेट और पूरी दुनिया का भविष्य है क्योंकि काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना मुश्किल होता जा रहा है। लेहमन ने कहा कि प्रारूपों के अनुसार जिम्मेदारी बांटने से कोच अधिक समय तक काम कर पाएंगे। इंग्लैंड की विश्व कप विजेता टीम के कोच ट्रेवर बेलिस के साथ एक शो में लेहमन ने कहा कि परिवार से साल भर में छह महीने से अधिक समय तक दूर रहने से कोच पर काफी दबाव बनता है।

लेहमन ने कहा, 'मुझे लगता है कि अलग–अलग प्रारूपों में अलग कोच भारत और यहां का भविष्य है। आप साल में 200 दिन दूर नहीं रह सकते। यह परिवार पर काफी दबाव है और एकमात्र कोच पर भी काफी दबाव रहता है।' उन्होंने कहा, 'अगर आपको लंबे समय तक कोचों की सेवाएं लेनी हैं तो आपको भूमिका बांटनी होगी।' इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भी कहा था कि भारत के लिए दो अलग कोचों की नियुक्ति शायद बेहतर होगी।

लेहमन ने सुझाव दिया कि प्रारूप के आधार पर जिम्मेदारी को बांटा जा सकता है। उन्होंने कहा, 'यह सफेद गेंद या लाल गेंद का क्रिकेट हो सकता है। आपको देखना होगा कि यह कैसे काम करता है।' यह पूछने पर कि मौजूदा खिलाड़ियों में कोन अच्छा कोच बन सकता है, बेलिस ने इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान इयान मोर्गन को चुना जबकि लेहमन ने हमवतन और सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच ब्रेड हैडिन का नाम लिया।

पिछली गर्मियों में पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप खिताब के दौरान इंग्लैंड का मार्गदर्शन करने से पहले श्रीलंका को भी कोचिंग दे चुके बेलिस ने कहा कि वह दोबारा अंतरराष्ट्रीय टीम को कोचिंग नहीं देंगे। उन्होंने कहा, 'मैं साल भर में काफी समय अपने परिवार से अलग रहता हूं और कुछ समय बाद इसका असर दिखता है।' बेलिस ने कहा, ''मैंने अपने मौके का फायदा उठाया और उम्मीद करता हूं कि कोई और भी मेरे जितना भाग्यशाली होगा।'

नहीं बढ़ेगा शशांक मनोहर का कार्यकाल, आज होगी आईसीसी की बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल के सदस्य देशों ने दो तिहाई बहुमत से यह प्रस्ताव पास कर दिया कि आईसीसी के चेयरमैन के पद पर शशांक मनोहर का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाएगा बैठक में इस बात पर आम सहमति थी कि जल्दी से जल्दी भविष्य का रास्ता तैयार किया जाए। मामले से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, इलेक्शन का रास्ता साफ है। गुरुवार को होने वाली बोर्ड की 28वीं बैठक में इस पर फैसला लिया जाएगा। इसके कागजात बुधवार को तैयार कर लिए जाएंगे। भारतीय क्रिकेट के प्रशासक सारा दिन फोन पर बात करते रहे। वह अन्य बोर्ड निदेशकों से प्रक्रिया के बारे में बात करते रहे। बीसीसीआई, समेत कई बोर्ड इस बात पर सहमत थे कि मनोहर का कार्यकाल नहीं बढ़ना चाहिए। बीसीसीआई, असल में चाहता है कि आईसीसी की अगुआई किसी युवा प्रशासक के हाथ में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण भूमिका है और किसी युवा प्रशासक को ही यह जिम्मेदारी मिली चाहिए। सूत्र ने कहा, यह क्रिकेट के लिए बहुत मुश्किल समय है। जैसा कि आप जानते हैं कि पूरे खेल पर कोविड–19 का असर पडा है।

न्यूज डायरी

मास्क पहनकर बोलिंगः सुरक्षित है अथवा नहीं?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। कोविड–19 के इस दौर में क्रिकेट में स्लाइवा को लेकर चर्चाएं आम हैं। आईसीसी की नई गाइडलाइंस के मुताबिक गेंद को चमकाने के लिए स्लाइवा का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सोमवार को पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा कोच मिसबाह–उल–हक ने बहस को एक नया मोड़ दे दिया। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजों को मास्क पहनकर बोलिंग करनी चाहिए। उनका कहना था कि गेंदबाजों की प्रवृत्ति होती है गेंद को चमकाने के लिए स्लाइवा का इस्तेमाल करना और मास्क पहनकर बोलिंग करने से वह अपनी इस स्वाभाविक प्रवृत्ति पर रोक लगा सकेंगे। हालांकि हर कोई मिसबाह की इस सलाह से सहमत नहीं है। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर का कहना है कि गेंद को चमकाने का काम सिर्फ तेज गेंदबाज ही नहीं करते बल्कि पूरी टीम का इसमें सहयोग होता है। अगरकर ने कहा, उन फील्डर्स का क्या जिन्हें अपने हाथों पर थूकने या उंगलियों से गेंद को चमकाने की आदत है। ऐसे में आपको पूरी टीम को मास्क पहनना पड़ेगा।

डोपिंग करने वाले खिलाड़ियों को पकड़ने के लिए यह उपाय कर सकता है वाडा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) डुसेलडोर्फ (जर्मनी)। कोरोना वायरस के कारण जब दुनिया भर में खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हैं तब विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) धोखाधड़ी करने वाले खिलाड़ियों को पकड़ने के लिए 'कृत्रिम बौद्धिकता' को नए साधन के तौर पर उपयोग करने पर विचार कर रहा है। वाडा कनाडा और जर्मनी में ऐसी चार परियोजनाओं में पैसा लगा रहा है जिनसे उसे यह पता करने में मदद मिल सकती है कि क्या प्रतिबंधित दवाईयों के सेवन के ऐसे मामलों को कृत्रिम बौद्धिकता से पकड़ा जा सकता है जो जांचकर्ताओं से बच जाते हैं। इस तकनीक से हालांकि नैतिक मुद्दे भी जुड़े हुए हैं। खिलाड़ियों को केवल मशीन के कहने पर निलंबित नहीं किया जा सकता है। इसके बजाय कृत्रिम बौद्धिकता ऐसा उपाय है जो संदिग्ध खिलाड़ियों की पहचान करने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इन खिलाड़ियों का परीक्षण किया जाना चाहिए।

63 दिन बाद दिल्ली में खुले साई के दो बड़े स्टेडियम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। खेलों और खिलाड़ियों के लिए मंगलवार को खुशखबरी आई। साई ने दिल्ली के सबसे महत्वपूर्ण स्टेडियमों में से दो स्टेडियम, जवाहर लाल नेहरू और मेजर ध्यानचंद, को 63 दिन बाद ऐथलीटों के लिए फिर से खोल दिया है। केंद्र सरकार से चरणबद्ध तरीके से आउटडोर खेल गतिविधियों को शुरू करने की अनुमति मिलने के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपने पांच स्टेडियमों में से दो में खेल गतिविधियों की शुरुआत की। साई के एक बयान के अनुसार, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में मंगलवार दोपहर से एक–एक घंटे की समयसीमा के अंतर्गत खेल गतिविधियां फिर से शुरू की गई हैं। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीरंदाजी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन और लॉन टेनिस जैसे खेलों से जुड़ी गतिविधियां शुरू होगी जबकि मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में उपलब्ध गतिविधियां वहां मौजूद सुविधाओं पर निर्भर करेंगी।

टेनिस बॉल से फील्डिंग प्रैक्टिस की शुरुआत करेगी टीम इंडिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच आर. श्रीधर का मानना है कि कोरोना वायरस की वजह से लगे लॉकडाउन के बाद जब खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे तो उन्हें संभलकर प्रैक्टिस करानी होगी। फील्डिंग प्रैक्टिस की शुरुआत टेनिस गेंद से की जाएगी, जिससे कि खिलाड़ियों को हाथ में चोट लगाने से बचाया जा सके। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में साथ ही उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के दौरान वह किस तरह खिलाड़ियों के संपर्क में रहे और उन्हें बेहतर बनाने कोशिश करते रहे। जहां तक लय पकड़ने का सवाल है मैं बताना चाहूंगा कि जब हम वापस आ जाएंगे तो मैं उन्हें कुछ टेनिस से प्रैक्टिस कराऊंगा, क्योंकि उन्होंने लंबे समय तक (12–14 सप्ताह) अभ्यास नहीं किया होगा।